भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
03.12.2025 के
अतारांकित प्रश्न सं. 502 का उत्तर

तिरुचिरापल्ली में रेलवे भूमि का उपयोग

502. श्री दुरई वाइको:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या तिरुचिरापल्ली जिला, विशेष रूप से पोनमलाई जोत में भारतीय रेलवे के तहत तमिलनाडु में चेन्नई के बाद सबसे बड़ी भूमि संपत्ति है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने तिरुचिरापल्ली में वाणिज्यिक विकास, रेलवे से संबंधित अवसंरचना, लॉजिस्टिक हब या सार्वजनिक सुविधाओं के लिए उक्त विशाल भूमि जोत का आकलन और उपयोग करने के लिए कोई कदम उठाया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या तिरुचिरापल्ली में उक्त कम उपयोग वाली रेलवे भूमि की आर्थिक और रणनीतिक क्षमता का दोहन करने के लिए कोई रूपरेखा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या सरकार उक्त अप्रयुक्त क्षेत्रों में नए औद्योगिक पार्क, कौशल प्रशिक्षण केंद्र या रेलवे टाउनशिप स्थापित करने पर विचार कर रही है और यदि हां, तो उक्त विकास के लिए समय-सीमा सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): रेलवे के पास मौजूद भूमि का उपयोग परिचालनिक कारणों से ज़रूरी मल्टी-ट्रैकिंग, फ्रेट टर्मिनल, अनुरक्षण सुविधाएँ इत्यादि जैसे अवसंरचना को बढ़ाने और बनाने के लिए किया जाता है। जो खाली भूमि निकट भविष्य में परिचालनिक उद्देश्यों के लिए आवश्यक

नहीं है, उसे वाणिज्यिक उपयोग के लिए रेल भूमि विकास प्राधिकरण (आरएलडीए) को सौंप दिया जाता है।

तिरुचिरापल्ली शहर के पोनमलाई क्षेत्र में भारतीय रेल की प्रमुख रखरखाव और प्रचालन सुविधाएँ हैं। वर्तमान में, इस भूमि के लगभग 114 एकड़ पर कई अवसंरचना संबंधी परियोजनाओं को शुरू किया गया है। इसके अलावा, भावी विकासात्मक निर्माण कार्यों के लिए लगभग 244 एकड़ रेल भूमि को चिह्नित किया गया है।

इसके अलावा, आरएलडीए को तिरुचिराप्पल्ली क्षेत्र में वाणिज्यिक उपयोग के लिए लगभग 11.62 एकड़ भूमि सौंपी गई है।

******